

## राष्ट्रीय उद्यानों को बंद रखने का नरिदेश

**संदर्भ**  
वन्यजीवों के प्रजनन के लिये वर्षाकाल अनुकूल होता है, विशेष रूप से बाघों के लिये। इसलिये राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण ( National Tiger Conservation Authority-NCTA ) इस मौसम में राष्ट्रीय उद्यानों को बंद रखने का नरिदेश जारी करता है।

### परमुख बदि

- राजस्थान में स्थिति विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर और सरसिका बाघ आरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय उद्यानों को इस वर्ष मानसून के दौरान पर्यटन के लिये बंद रखा जाएगा।
- राज्य वन विभाग ने उन्हें खोलने के लिये अपने पहले के आदेशों को संशोधित किया है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के साथ इस मसले पर वचिार-वमिर्श करके यह नरिणय लया है।
- ये संशोधित आदेश क्षेत्रीय नदिशकों के साथ वचिार-वमिर्श करने के बाद जारी किए गए हैं। वन अधिकारी वशिष्ट अवधि के लिये नरिदष्टि क्षेत्रों को बंद करने के लिये स्थानीय सड़कों और सुरक्षा मुद्दों की स्थिति का भी नरिीक्षण करते हैं।

### मानसून में बंद

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के दशिा-नरिदेशों के अनुसार मानसून की अवधि में राष्ट्रीय उद्यानों को बंद रखा जाता है, क्योंकि यह मौसम वन्यजीवों के लिये प्रजनन की अवधि होती है, विशेष रूप से बाघों के लिये।
- एनटीसीए ने 2015 के अपने नरिदेश में मानसून के दौरान राष्ट्रीय उद्यानों को बंद करने के लिये कारकों की पहचान करते हुए कहा था कि राष्ट्रीय उद्यानों को बंद करने की अवधि का नरिणय संबंधित राज्य सरकार द्वारा लया जाएगा। यहाँ यह बताना आवश्यक है कि भारत के वर्षा सघन राज्यों में, जैसे- कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश और तमलिनाडू के नौ राष्ट्रीय उद्यान पूरे वर्ष भर खुले रहते हैं।
- चूँकि राजस्थान में वर्षा कम होती है, इसलिये वहाँ बाघों का प्रजनन पूरे वर्ष तक चलता रहता है। अतः मानसून के दौरान राष्ट्रीय उद्यानों को पर्यटकों के लिये बंद करने का मानदंड यहाँ लागू नहीं होता। फरि भी वर्षा के मौसम में सड़कें क्षतग्रिस्त हो जाती हैं, जो पर्यटकों के लिये सुरक्षा नही होती।

### राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- यह पर्यावरण और वन मंत्रालय के तहत एक वैधानिक नकिया है, जो 2006 में संशोधित वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत गठित है।
- इसकी स्थापना पर्यावरण और वन मंत्री के अध्यक्षता में की गई है।
- इस प्राधिकरण में आठ वशिषज्ञ या पेशेवर होते हैं, जिनके पास वन्यजीव संरक्षण और आदविसयिों सहित अन्य लोगों के कल्याण का अनुभव होता है।
- इन आठ में से तीन संसद सदस्य होते हैं, जनिमें से दो लोक सभा तथा एक राज्य सभा का सदस्य होता है।
- प्रोजेक्ट टाइगर के प्रभारी वनों का महानरिीक्षक इसमें पदेन सदस्य सचवि के रूप में कार्य करता है।

### कार्य

- एनटीसीए भारत में बाघों के संरक्षण के लिये व्यापक नकिया है।
- इसका मुख्य प्रशासनिक कार्य राज्य सरकारों द्वारा तैयार बाघ संरक्षण योजना को स्वीकार करना है और फरि टकिाऊ पारस्थितिकी के वभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन करना और बाघों के आरक्षित क्षेत्र के भीतर कसिी भी पारस्थितिकी रूप से अस्थरि भूमिउपयोग जैसे खनन, उद्योग और अन्य परयोजनाओं को अस्वीकार करना है।

